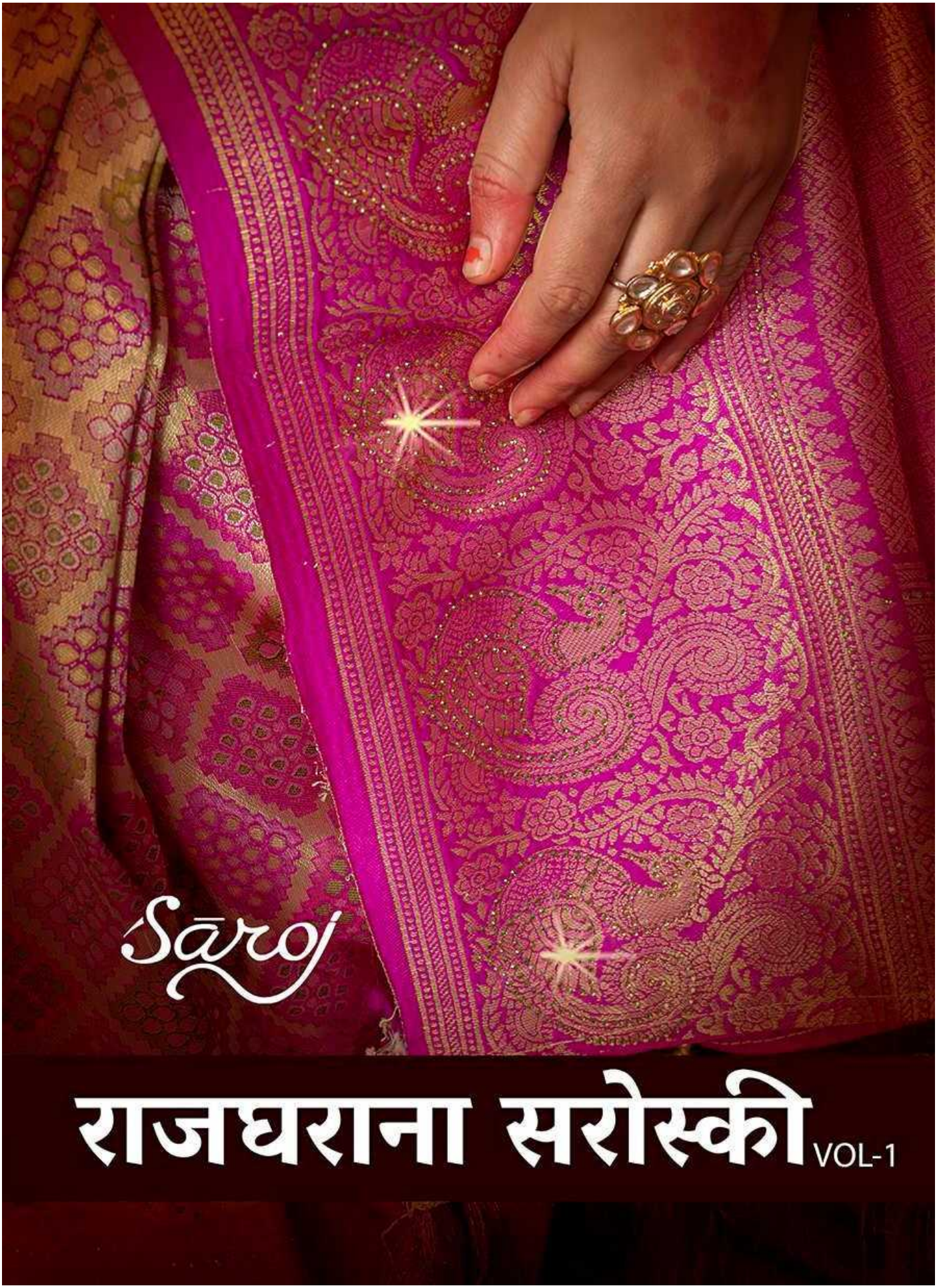
Saroj
राजघराना सरोस्की
VOL-1

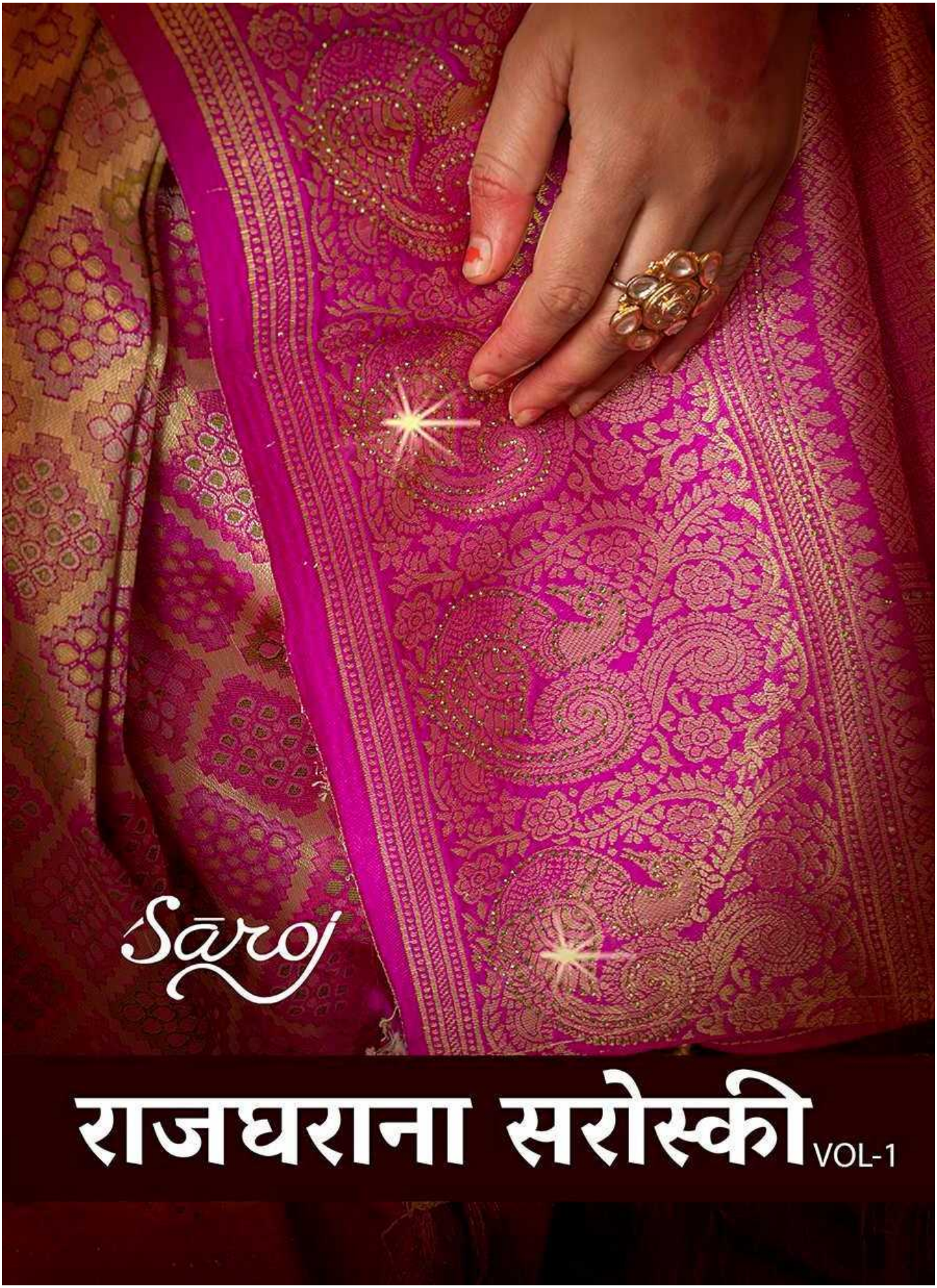
Saroj
राजघराना सरोस्की
VOL-1

Saroj
सत्य -सत्यमेवेश्वरो लोके सत्ये धर्मः सदाश्रितः ।
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ॥
तुम सृष्टि, पालन और संहार की शक्ति भूता,
सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो ।
नारायणि! तुम्हे नमस्कार है ।
1001
1002
1003
1004

या
देवी
सर्वभूतेषु
शक्तिरूपेण
संस्थिता
नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमस्तस्
नमो नमः ॥
1001

1002

या
देवी
सर्वभूतेषु
शक्तिरूपेण
संस्थिता
नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमो नमः ॥
1003

1004